CCRH Quarterly Bulletin
Vol. 20(3 & 4). 1998

भारतीय तथा कम प्रचलित औषधियों का सामान्य रोगों में सत्यापन

पी॰ सिंह*

होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति में भारतीय मूल की औषधियों के प्रयोग का प्रचलन बहुत अधिक नहीं है चूंकि इन औषधियों का प्रमाणन विस्तारपूर्वक नहीं हुआ है। परिषद् ने इन औषधियों का विस्तारपूर्वक प्रमाणन प्रारम्भ किया है एवं संकलित लक्षणों का चिकित्सा सत्यापन, विभिन्न इकाईयों द्वारा किया जा रहा है। इस सत्यापन कार्य में कुछ अन्य औषधियाँ भी शामिल हैं जो कम प्रयुक्त होती हैं। ऐसी ही विभिन्न औषधियों में सत्यापित लक्षणों का तीन रोग अवस्थाओं, कब्ज, दस्त तथा ज्वर में संकलन निम्न प्रकार से दिया जा रहा है।

कब्ज (कोष्टबद्धता)

ईगल फोलिया

इसमें रोगी शौच जाने की बार–2 इच्छा होती है, मल सन्तुष्टिप्रद नहीं होता तथा उसमें श्लेषमा होती है। मल का स्वभाव एक सा न होकर कभी बंधा तथा कभी पतला होता है। भोजन से अरुचि तथा भूख कम हो जाती है।

हाइड्रोकोटाइल एशियाटिका

कब्ज के साथ रोगी आलसी प्रवृत्ति का होता है, कार्य में अरुचि होती है। मल–कड़ा, खुश्क होता है दबाव लगाने पर बाहर आता है।

माइगेल

इसमें मल कम, अपर्याप्त तथा प्रचुर मात्रा में श्लेष्मा के साथ आता है। मल में दुर्गन्ध तथा पेट के निचले हिस्से में दर्द तथा भारीपन होता है यह परेशानी मुख्यतः भोजन के बाद प्रारम्भ होती है।

टैरेन्टुला हिस्पैनिका

इसका मल–कड़ा, खुश्क होता है साथ मल द्वार में जलन महसूस होती है। रोगी मानसिक रूप से उद्विग्न, उदास होता है तथा, बातचीत करने में अरुचि रखता है तथा ज्यादा बातचीत करने से उसे चिड़चिड़ापन हो जाता है।

टिला अरेनिया

इसका मल कड़ा, खुश्क तथा गाँठ सा होता है। मल त्याग के समय रोगी को कष्ट तथा दर्द महसूस होता है। इसमें मल द्वार से खून भी जाता है या मल के साथ खून मिला हुआ होता है।

टर्मिनेलिया चैबुला

इसमें मल थोड़ा तथा काफी दबाव लगाने के बाद बाहर निकलता है। मल साफ करने के लिये बार–बार चेष्टा करनी पड़ती है, कि मल साफ हो जाये। भोजन के बाद जैसे ही पेट पर दबाव बनता है रोगी को शौच जाने की इच्छा होती है।

ज्वर

एलस्टोनिया कांस्ट्रिक्टा

ज्वर के साथ रोगी को प्रायः ठंड सी महसूस होती है। साथ ही सर तथा शरीर में दर्द बना रहता है। ज्यादातर रोगियों में ज्वर के साथ दस्त के लक्षण मौजूद होते हैं तथा रोगी को अत्याधिक कमजोरी हो जाती है।

ज्वर के साथ सारे शरीर में भयंकर दर्द, सर दर्द, आँखों में जलन, मुख का कड़वापन या बेस्वाद हो जाना, अत्याधिक

---

* सहा॰ अनु॰ अधि॰ (होम्यौ॰) चि॰ सत्यापन एकांश (हौम्यो॰) वृन्दावन